बस्तर में रेयन लुगदी और प्लाईवुड बनाने के कारखाने

*८५६. **श्री राम सेवक** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिड़ला बन्धु मध्य प्रदेश के बस्तर जिले में रेयन की लुगदी बनाने तथा प्लाईवुड बनाने के कारखाने लगाने की योजना बना रहे हैं ;

(ख) ये कारखाने कब तक उत्पादन करने लगेंगे तथा उन में केन्द्रीय सरकार किस प्रकार की सहायता देगी ;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकारी क्षेत्र में भी ऐसे कारखाने स्थापित करने की कोई योजना है ; और

(घ) यदि हां, तो कहां पर और वे कब तक स्थापित हो जायेंगे ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में उद्योग मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) और (ख). सरकार एक आवेदन-पत्र पर विचार कर रही है । यह आवेदन-पत्र बस्तर में केवल व्यापारिक प्लाईवुड बनाने का एक कारखाना खोलने के लिये औद्योगिक लाइसेंस दिये जाने के बारे में प्राप्त हुआ है।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

[(a) and (b). Government is considering an application which has been received for an industrial licence to set up a factory in Bastar for manufacturing commercial plywood only.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.]

Shri Ram Sewak: May I know whether the Government has any other scheme for producing man made fibre besides the real one?

Shri Kanungo: This is about plywood. There are many other factories for manufacturing plywood. There are also many other factories for the production of man-made fibre.

Shri Bhagwat Jha Azad: May I know whether the applicant has mentioned in the application what the worth of the goods would be that the factory would be producing and whether it is due to the fact that we are short of this in the country?

Shri Kanungo: The demand for plywood is increasing very much because it saves timber. This licence is being considered and the report of the Madhya Pradesh Government is awaited whether enough timber for this purpose is available or not.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, यह बतलाया गया है कि बिड़ला बन्धुओं की ओर से यह कारोबार शुरू किया जा रहा है । इस में वास्तव में कितनी प्रगति हुई है और इस के बाद कब तक स्थापित होने की आशा की जा सकती है ?

श्री कानूनगो : अभी स्थापित होने का तो सवाल ही नहीं है, अभी तो यह जांच की जा रही है कि लकड़ी है या नहीं ।

श्री बड़े : यह जो प्लाईवुड की फैक्टरी स्थापित होने वाली है इस पर क्या एक साल से ज्यादा समय से विचार हो रहा है, और क्या उन्होंने रेयन के वास्ते भी एप्लीकेशन दी हुई है ।

श्री कानूनगो : रेयन के वास्ते कोई एप्लीकेशन नहीं दी है । सिर्फ कमर्शियल प्लाईवुड के लिए एप्लीकेशन है और उसके बारे में मैंने कहा है कि टिम्बर अवेलेबिल है या नहीं इस के लिए स्टेट गवर्नमेंट की रिपोर्ट अपेक्षित है।

Shri Bade: My question was for how long it is pending.

अध्यक्ष महोदय : उनका सवाल था कि क्या इस पर एक साल से विचार हो रहा है।

श्री कानूनगो : मुझे ठीक वक्त तो नहीं मालम, लेकिन एक साल तो नहीं है। इस पर विचार होते ६ महीने से भी कम समय हुआ है।

श्री सिंहासन सिंह : मैं जानना चाहता हूं कि इस का पेड अप केपीटल क्या है और क्या इस ने गवर्नमेंट से भी लोन प्राप्त करने की कोशिश की है, और यदि सरकार से लोन मांगा है तो कितना ?

श्री कानूनगो : इसने गवर्नमेंट से तो लोन नहीं मांगा है। इसका पेड अप केपीटल कितना है यह मैं नहीं जानता।

श्री अचल सिंह : क्या मंत्री जी बतलायेंगे कि रेयन पल्प पैदा करने के वास्ते और कितनी फेक्टरियां हिन्दुस्तान में चल रही हैं ?

श्री कानूनगो : करीब आधा दर्जन चल रही हैं।

श्री बीरेन्द्र बहादुर सिंह : अभी मंत्री महोदय ने बतलाया कि लकड़ी के लिए मध्य प्रदेश से पूछा जा रहा है। मैं पूछना चाहता हूं कि जब यहां पर फारेस्ट डिपार्टमेंट के चीफ आफिसर रहते हैं और मध्य प्रदेश की लकड़ी की यहां काफी बिक्री होती है, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि मध्य प्रदेश, में लकड़ी की कमी है ?

श्री कानूनगो : मैं ने कहा कि उनकी रिपोर्ट आपेक्षित है।

Hindustan Photo Films Ltd.

*858. **Shrimati Sarojini Mahishi:** Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) when the plant to be put up by the Hindustan Photo Films Ltd., will go into production;

(b) whether the raw material necessary for this plant will be acquired by import or from indigenous sources; and

(c) if from indigenous sources, the steps taken by Government for encouraging the production of this raw material?

The Minister of Industry in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Kanungo): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

The raw film plant being established by Hindustan Photo Films Manufacturing Company Limited is expected to go into production during 1963.

The raw materials necessary for the production will be imported for the first two or three years by which time it is expected that they will become indigenously available. Government are taking suitable steps necessary for their indigenous production by licensing under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, units who have applied for the manufacture of the various items of raw materials.

Shrimati Sarojini Mahishi: In view of the fact that the production of this raw material, namely, triacetate,. is quite important and the production of the same should be accelerated, may I know whether there are any agencies which have already completed the terms of collaboration with the foreign countries for setting up a plant in India?

Shri Kanungo: Yes. There are various chemicals. The Mysore Sugar Co. had a licence for the manufacture of this product. They have dropped the proposal. Other schemes are being looked into.

Shrimati Sarojini Mahishi: My question was whether there is any agency which has already completed the terms of collaboration.

Shri Kanungo: Not yet.

Shri Indrajit Gupta: From the statement I find that there is a scheme for making raw materials indigenously available with 2 or 3 years. May I know whether there is any similar scheme as regards the machinery,